वेटनरी विश्वविद्यालय की सभी ईकाईयों को देख संतुष्ट हुआ रूसी दल

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति प्रोफेसर एस.पी. तिवारी के अथक प्रयासों से नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर एवं रूस की सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेरिनरी मेडिसिन के मध्य अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के तहत रूस से दो–दिवसीय प्रवास परआये प्रतिनिधियों वाईस रेक्टर प्रोफेसर डॉ. निकितिन, डॉ. लुटिक एवं हर्षा पँद्रांगी ने पशु चिकित्सा विज्ञानं एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर का भ्रमण किया।

सर्वप्रथम प्रतिनिधियों ने एनिमल हाउस का भ्रमण किया जिसमे उन्होंने विभिन्न लेबोरेटरी एनिमल के रखरखाव एवं प्रबंधन के बारे में जाना। इसके पश्चात पशु चिकित्सा परिसर के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया।

पशु चिकित्सा परिसर में विभिन्न प्रकार के रोगो से ग्रसित जानबरो का परीक्षण एवं उनका इलाज के बारे में जानकारी ली। विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिनिधियों को ई.सी.जी., अल्ट्रासोनोग्राफी, सी.टी. स्कैन एवं एक्स–रे जैसे उन्नत निदान उपकरण के बारे में जानकारी दी गयी। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सा परिसर में पेट पार्लर, ऑपरेशन थिएटर, इंडोर वार्ड, पशु औषधि विभाग में उपस्थित थनैला प्रयोगशाला एवं पशु मादा रोग विभाग में उपस्थित सीमेन प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया एवं नैदानिक विभागों में चल रहे शोध कार्यो के बारे में चर्चा की।

इस भ्रमण के दौरान रूस से आये प्रतिनिधियों के साथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय डॉ सीता प्रसाद तिवारी की मौजूदगी रही और उन्होंने विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

इसी क्रम में रूस से आये प्रतिनिधियों ने महाविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक वर्षो में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं से भी महाविद्यालय सभागार

में मुलाकात की एवं उनसे पढ़ाई, इनोवेटिव आइडियाज, पशुओ के इलाज इत्यादि विषयों पर विचारों का आदान–प्रदान किया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने रूस में पशु चिकित्सको की जॉब प्रोफाइल, भविष्य परिप्रेक्ष्य एवं रूस की यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर) सम्बन्धी प्रश्न पूछे। इस कार्यक्रम में डायरेक्टर इंस्ट्रक्शंस डॉ. मधु स्वामी, महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. राखी वैश का विशेष सहयोग रहा। साथ ही डॉ. अपरा साही, डॉ. देवेंद्र गुप्ता, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. ब्रजेश सिंह डॉ. रणबीर सिंहजाटव, डॉ. सत्यनिधि शुक्ला एवं डॉ. शशि प्रधान की उपस्थिति भी रही।

द्वितीय चरण में रूसी दल मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के मत्स्य पालन प्रक्षेत्र का भ्रमण किया जहां उन्होंने मत्स्य बीज उत्पादन की जानकारी ली, प्रजनक कतला मछली को देखा तथा मछली

की अंगुलिकाओ को तालाब में छोड़ते समय बहुत उत्साहित हुए। मत्स्य दाना उत्पादन मशीन से दाना उत्पादन की प्रकिया को जाना। इस दौरान मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन, डायरेक्टर इंस्ट्रक्शन डॉ. मधु स्वामी, डॉ. पी. के. सिंह, प्रक्षेत्र प्रभारी डॉ. सोना दुबे, प्रक्षेत्र प्रबंधक श्री शिव मोहन सिंह तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर